श्री बंशीधर नगर, शुक्रवार
27.12.2024
पौष कृष्णपक्ष द्वादशी संवत 2081
वर्ष : 03, अंक : 124

सूर्योदय-सूर्यास्त
उदय - 06:36 बजे
अस्त - 05:17 बजे

तापमान
अधिकतम : 28 डिग्री से.
न्यूनतम : 14 डिग्री से.

बंशीधर न्यूज

कलम है, तो आवाज़ बुलंद है...

डिजिटल अखबार | www.banshidharnews.com | सीएम हेमंत से मिले विधायक अनंत >> पेज 03 | उदारीकरण के लिए याद किये जायेंगे मनमोहन : पेज 04

अलविदा. आर्थिक सुधारों के जनक डॉ मनमोहन सिंह

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। उन्होंने रात 9.51 मिनट पर एम्स में अपनी अंतिम सांस ली। दिल्ली के ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट (एम्स) प्रशासन ने उनके निधन की पुष्टि की है। डॉ मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को गाह, पाकिस्तान में हुआ था। 1947 में विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आया। मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डी. फिल. की डिग्री ली। डॉ सिंह के परिवार में उनकी पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह हैं। मनमोहन सिंह की पुस्तक 'इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ' भारत की अन्तमुर्खी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। डॉ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर भी काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1978 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया है। मनमोहन सिंह का सियासी सफरमनमोहन सिंह का सियासी सफर 1990 के दशक में शुरू हुआ, जब वो तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री बने। इस दौरान उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे सुधारों को लागू किया जिससे निजी उद्यम को बढ़ावा मिला। साल 1991 में देश के सामने आए गंभीर आर्थिक संकट को कम करने में उन्होंने अहम किरदार निभाया। माना जाता है कि उनकी नीतियों ने उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया। वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता में लौटने से पहले वो राज्यसभा में विपक्ष के नेता रहे। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक संकट से जूझते देश को नई आर्थिक नीति का उपहार दिया।

प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल

डॉ मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और पीएम नरेन्द्र मोदी के बाद चौथे सबसे लंबे समय तक इस पद पर रहे। डॉ मनमोहन सिंह भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री थे। वो जवाहरलाल नेहरू के बाद पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से चुने जाने वाले पहले प्रधानमंत्री भी थे। वर्ष 2004 में जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री बनें तो उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास पर केंद्रित सरकार का नेतृत्व किया। उनकी नेतृत्व में देश की जीडीपी का औसत 8 से 9 प्रतिशत रहा। हालांकि, उनके शासन काल में सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप भी लगे लेकिन मनमोहन सिंह व्यक्तिगत रूप से हमेशा पाक साफ रहे।

पुरस्कार व सम्मान

डॉ मनमोहन सिंह को मिले कई पुरस्कारों और सम्मानों में सबसे प्रमुख है, भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण, जो उन्हें वर्ष 1987 में मिला। इसके अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार (1995), वर्ष के वित्तमंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड (1993 और 1994), वर्ष के वित्तमंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार (1956), कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार (1955)। मनमोहन सिंह को जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य कई विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधियों प्रदान की गई हैं।

कांग्रेस पार्टी के सात दिनों के लिए सभी कार्यक्रम रद्द

दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के सम्मान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज रात यह जानकारी दी। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इस दौरान रद्द किए जाने वाले कार्यक्रमों में सभी आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 83 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

92 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राज्यकीय सम्मान से होगा अंतिम संस्कार

केंद्र सरकार ने इस दुख की इस घड़ी में 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को 11 बजे पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए कैबिनेट की बैठक होगी। इसके साथ कल होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द किए जाएंगे। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

गवर्नर व मुख्यमंत्री ने मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। राज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। इस दु:ख की घड़ी में, मैं उनके परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्वविख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है। विकासशील राजनीति और गवर्नेंस के पुरोधा मनमोहन सिंह ने नि:स्वार्थ भाव के साथ देश और देशवासियों की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया था। आज मनमोहन सिंह हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनके आदर्श और विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार सहित देशवासियों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे।

समीक्षा राज्य में ही लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

सभी जिला अस्पतालों का हेल्थ सर्किट बनाएं

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एवं जिला अस्पतालों का हेल्थ सर्किट बनाया जाए ताकि जरूरत के हिसाब से मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा सके। इससे किसी एक अस्पताल पर मरीजों का ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा। इसके लिए जरूरी है कि सभी अस्पतालों में इलाज की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। मुख्यमंत्री गुरुवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को राज्य में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची के री-डेवलपमेंट प्लान तथा यातायात व्यवस्था को लेकर भी संबंधित अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी सरकारी अस्पताल 24 घंटे सातों दिन फंक्शनल होनी चाहिए। इस दिशा में चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मी अस्पतालों में हमेशा उपलब्ध होने चाहिए ताकि मरीज कभी भी आएं तो उनका इलाज सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों को और बेहतर तथा अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सभी जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऐसी व्यवस्था हो, इस दिशा में भी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सक होने से मरीज को बेवजह मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रेफर करने से भी काफी हद तक निजात मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में अक्सर अव्यवस्था की शिकायतें विभिन्न माध्यमों से मिलती रहती है। अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में किसी मरीज को बेड नहीं मिल पाता है तो किसी को जांच करने में असुविधा होती है। ओपीडी में मरीजों की भीड़ लगी रहती है। अस्पताल में ऐसी अव्यवस्था नहीं दिखे, इसके लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट को मजबूत और दुरुस्त करें, ताकि मरीजों को इलाज से संबंधित सारी जानकारियां सहूलियत से मिल सके। अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रोफेशनल्स की सेवा लें। मुख्यमंत्री ने राज्य में पांच नये मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि इन सभी अस्पतालों को जल्द से जल्द पूरी तरह फंक्शनल बनाएं ताकि मरीजों को रिम्स अथवा अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करने करने की व्यवस्था नियंत्रण में रहे। उन्होंने सुदूर और दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में अवस्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के बेहतर संचालन के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण मरीजों को सामान्य बीमारियों के इलाजों के लिए इधर-उधर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने रिम्स की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिया।

राज्य में 28-29 दिसंबर को बारिश की संभावना

एक जनवरी को दिनभर रहेगा कोहरा

बंशीधर न्यूज

रांची। झारखंड में 28-29 दिसंबर को बारिश की संभावना है। राज्य में 28 को पश्चिमी, मध्य तथा निकटवर्ती उत्तरी भागों में बारिश होने की संभावना है जबकि 29 दिसंबर को राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में बारिश होने की संभावना है। एक जनवरी, 2025 को राज्य में कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। राजधानी रांची सहित राज्य में गुरुवार को सुबह में कोहरा और आंशिक रूप से बादल छाए रहे। हवा भी चली। इससे ठंड में कोई कमी नहीं देखी गयी। ठंड का कहर

जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस संबंध में रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेंटीग्रेड गुमला में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 28.4 डिग्री सेंटीग्रेड चाईबासा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं कहीं पर कोहरा भी दर्ज किया गया। साथ ही राज्य में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई।

नेतरहाट स्कूल का प्रशासी पदा. 50 हजार रु घूस लेते गिरफ्तार

लातेहार। नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्रशासी पदाधिकारी रौशन कुमार बक्सी को पलामू एसीबी की टीम ने 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के जरिये विद्यालय में दूध आपूर्ति करने वाले विक्रेता से बिल भुगतान के बदले रिश्वत ली जा रही थी। पलामू एसीबी के एसपी अंजनी अंजन ने इसकी पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार सूचक ने पलामू एसीबी की टीम को सूचना दिया था कि नेतरहाट आवासीय विद्यालय में प्रशासी पदाधिकारी के जरिये दूध के पैसे भुगतान के लिए रिश्वत मांगी जा

रही है। सूचना मिलने के बाद एसीबी की टीम ने एसपी अंजनी अंजन के निर्देश पर मामले की अपने स्तर से जांच पड़ताल की। जांच में जब यह स्पष्ट हो गया कि आरोपित के जरिये रिश्वत मांगी जा रही है तो एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार करने की योजना बनाई। गुरुवार को पुलिस ने सूचक को पैसे देकर प्रशासी पदाधिकारी के पास भेजा। आरोपित ने सूचक को अपने घर बुला लिया और उससे रिश्वत के पैसे लेने लगा। इसी दौरान एसीबी की टीम वहां पहुंची और रिश्वत लेते आरोपित को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पलामू एसीबी एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि प्रशासी पदाधिकारी के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी इस शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है।

कृषि महाविद्यालय में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : कृषि महाविद्यालय गढ़वा के सभागार में गुरूवार को जिला स्तरीय रबी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने फसल सुरक्षा योजना, कृषकों को लेकर प्रखंड स्तर पर कार्यशाला, कृषि एवं उद्यान कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने गढ़वा जिले में कृषि के क्षेत्र में चल रही बाकी सभी योजना के बारे में विस्तार से बताया। जिला में कितने किसान को लाभ मिल रहा है उसकी जानकारी दी गई एवं अन्य किसान कैसे लाभ ले इसके बारे बताया गया। केभीके के वैज्ञानिक ने गेहूं एवं अन्य रबी फसलों की उन्नत उत्पादन के लिये तकनीकी जानकारी दी। इसके अलावे अन्य योजना जैसे सूक्ष्म सिंचाई योजना, मिलेट मिशन योजना, बीज वितरण योजना, किसान समृद्धि योजना, पीएम कुसुम योजना, कृषि ऋण माफी योजना इत्यादि की जानकारी कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में सभी प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी जनसेवक, बीटीएम, एटीएम, लैंप्स के प्रतिनिधि, जिला सलाहकार समिति सदस्य, एफपीओ की प्रतिनिधि ने कर्मशाला में भाग लिया। मुख्य अतिथियों ने रबी मौसम में बीज की बुवाई से लेकर कटाई तक की तकनीकी जानकारी इस मंच के माध्यम से साझा किया। साथ ही समूह में खेती हेतु कृषक कंपनी गठित कर योजना बनाते हुये खेती करने की सलाह दी गयी। एलडीएम द्वारा केसीसी लोन के ऊपर गहन जानकारी दी गयी। जिला कृषि पदाधिकारी ने विभाग से संचालित सभी योजनाओं के बारे में बताया। मौके पर जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, अग्रणी बैंक प्रबंधक एवं कृषि विज्ञान केंद्र किस्को के वैज्ञानिक उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट्स

हेलमेट पहनकर बाईक चलाये नहीं तो होगी कार्रवाई : सीओ

छतरपुर : सीओ उपेंद्र कुमार ने शहरी क्षेत्र और न्यू बाईपास पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये सख्त निर्देश जारी किया है। इसकी शुरूआत अंचल और प्रखंड कार्यालय से करते हुये उन्होंने कहा है कि ब्लॉक परिसर में बगैर हेलमेट बाईक चलाने वाले को अविलंब पड़कर संबंधित थाने को जुमार्ना के लिये सुपुर्द कर दिया जायेगा, इसलिये जो भी लोग ब्लॉक परिसर में बाईक के साथ आते हैं उन्हें आवश्यक रूप से हेलमेट पहनकर आना होगा। वहीं सीओ ने पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देश जारी करते हुये कहा है कि किसी भी हाल में पेट्रोल पंप पर बगैर हेलमेट के पहुंचने वाले बाईक सवार को पेट्रोल या डीजल ना दिया जाय। सीओ उपेन्द्र कुमार ने आम लोगों से अपील करते हुये कहा है कि इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करें और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। नव वर्ष को देखते हुये सड़क दुर्घटनाओं की संभावनायें बढ़ जाती है। ऐसे में हेलमेट पहन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बाईक संचालकों के लिये स्लोगन जारी करते हुये उन्होंने कहा है कि हेलमेट पहनें, सुरक्षित रहें। नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

डंडई : मुख्यालय के होली फेथ पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अपने शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ गुरूवार की सुबह पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण विंध्याचल धाम, चित्रकूट धाम, मैहर धाम के लिये रवाना हुये। इस दौरान अभिभावकों ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना करते हुये छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी। मौके पर प्राचार्य विवेक कुमार ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं का पढ़ाई के साथ मानसिक विकास भी कराना है इसीलिये हर वर्ष विद्यालय की ओर से बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण कराये जाते हैं।

खेल

अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता जूनियर वर्ग

साउथ प्वाइंट व ज्ञान निकेतन सेफा में

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : 23 वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के 11 वें दिन खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल की टीम ने रोमांचक मुकाबले में बीएसकेडी को एवं ज्ञान निकेतन स्कूल रेहला ने बीपी डीएवी को हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। गोविंद हाईस्कूल के मैदान में खेले गये पहले क्वार्टर फाईनल मैच में साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर बीएसकेडी को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। बीएसकेडी के सईदुल ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुये आठ छक्कों की मदद से 72 रन बनाये। वहीं साउथ प्वॉइंट की ओर से फैज ने चार एवं साकिब ने दो विकेट लिये। जबाबी पारी खेलने उतरी साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल की टीम ने सारिक के 24 और अमन के 20 रन की बदोलत चार गेंद शेष रहते आठ विकेट खोकर जीत हासिल कर लिया। बीएसकेडी की ओर से पीयूष और आदित ने दो दो विकेट लिये। दूसरे क्वार्टर फाईनल मैच में बीपी डीएवी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। परंतु ज्ञान निकेतन के गेंदबाज फरहान के सामने उसके कोई भी बल्लेबाज टीक नहीं पाये। टीम की ओर से श्याम शाह ने सर्वाधिक 11 रन बनाते हुये टीम का स्कोर 65 रन तक ले गया। ज्ञान निकेतन की ओर से फरहान ने पांच व फहीम ने दो विकेट लिये। 66 रन के लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी ज्ञान निकेतन रेहला की टीम ने फरहान के और आकाश के 28 रन के विस्फोटक बल्लेबाजी के बदौलत छह ओवर में ही मैच पांच विकेट खोकर जीत दर्ज कर सेमीफाईनल में प्रवेश कर लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार बीएसकेडी के सईदुल को और ज्ञान निकेतन स्कूल रेहला के फरहान को प्रतियोगिता के उपाध्यक्ष सह पर्यवेक्षक सुशील केशरी, धनंजय कुमार सिंह, सचिव आनंद सिन्हा, सह सचिव प्रिंस सोनी, कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे एवं संदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। उस मौके पर उपाध्यक्ष सुशील केशरी ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिये। खेल में हार जीत कोई मायने नहीं रखती, हारने वाली टीम भी जीतने वाली टीम के बराबर की ही मानी जाती है। मैच में अंपायर की भूमिका रोहन तिवारी, आलोक कुमार, अभिषेक और मनीष उपाध्याय एवं मैच में कमेंटेटर की भूमिका प्रिंस खान ने निभाई। मौके पर रोहन तिवारी, मनीष उपाध्याय, आकाश कुमार, शहजाद खान, धीरज, रोहित प्रजापति, नितेश समेत बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद थे।

केंद्रीय टीम ने प्रमुख योजनाओं का किया निरीक्षण

मझिआंव : सांसद आदर्श ग्राम पंचायत योजना के तहत संसद के द्वारा गोद लिये गये रामपुर पंचायत का केंद्रीय टीम ने विकास योजनाओं का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन के दौरान केंद्रीय टीम के फील्ड ऑफिसर श्याम दयाल द्विवेदी ने बताया कि सांसद आदर्श ग्राम पंचायत योजना 2014 में लागू हुआ था। इधर झारखंड में 2019-20 में लागू किया गया। इस दौरान वर्तमान सांसद के द्वारा मझिआंव प्रखंड के रामपुर पंचायत को गोद लेकर आदर्श ग्राम पंचायत घोषित किया गया था। आदर्श ग्राम पंचायत घोषणा के बाद आदर्श ग्राम पंचायत रामपुर का विकास से संबंधित भौतिक एवं भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। मसलन सड़क, शिक्षा स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा चलाई गई महत्वपूर्ण एवं जनउपयोगी योजनाओं को और भी बेहतर बना बनाया जा सके। वही केंद्रीय टीम के पंकज कुमार ने बताया कि सांसद के द्वारा गोद लिये गये आदर्श ग्राम पंचायत रामपुर में संपूर्ण विकास होने के बाद अन्य पंचायत के प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उसका अनुसरण कर केंद्र एवं राज्य सरकार की संपूर्ण विकास योजनाओं को धरातल पर लाने में कामयाब हो सके। इसके साथ ही प्रमुख योजनाओं का मूल्यांकन भी किया गया। मौके पर मुखिया कुमारी छाया, प्रतिनिधि रमेश कुमार पासवान, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, उप मुखिया प्रतिनिधि बाबूलाल सिंह, पंचायत समिति सदस्य शिवकुमार सिंह, पंचायत सचिव उत्पल रोशन टोप्पो एवं रोजगार सेवक सत्येंद्र ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

कृषि को बढ़ावा देने के लिये केंद्र व राज्य लगातार प्रयासरत : डीडीसी

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र चियांकि के सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय रबी कर्मशाला 2024 का आयोजन किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी, डीडीसी शब्बीर अहमद व जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कर्मशाला का शुभारंभ किया। जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी ने सभी किसानों से इस कर्मशाला में अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कृषि से जुड़े पदाधिकारियों से लग्न के साथ कार्य करने की बात कही ताकि किसानों की आय दुगुनी किया जा सके। डीडीसी ने कहा कि कृषि को बढ़ावा देने के लिये केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रगतिशील किसान को कृषि के क्षेत्र में बहुत लाभ होता है। रबी फसल का उत्पादन कैसे बेहतर हो उसी को लेकर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जहां किसानों को रबी फसल के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। उन्होंने सामूहिक कृषि पर जोर देते हुये किसानों के उत्पादक समूह को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करने की बात कही। कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा ने रवि मौसम में बीज की बुवाई से लेकर कटाई तक की तकनीकी जानकारी किसानों से साझा की। कार्यशाला में उपस्थित कृषक मित्रों को रबि की मौसम में फसलों में लगने वाले कीट पतंगों के नियंत्रण एवं रोकथाम की विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके अलावे आत्मा द्वारा संचालित कृषि की योजनाओं जैसे मिट्टी नमूना संग्रह, केसीसी ऋण माफी योजना, टपक सिंचाई समेत अन्य विषयों से भी किसानों को अवगत कराया गया। मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, क्षेत्र अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक समेत प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, जनसेवक, बीटीएम, एटीएम समेत बड़ी संख्या में किसानों ने कर्मशाला में भाग लिया।

पुरस्कार वितरण के साथ दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

खेलकूद पढ़ाई का अभिन्न अंग : अशोक विश्वकर्मा

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : ब्राईट फ्यूचर स्कूल में गुरुवार को दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। विद्यालय के संरक्षक डॉ यासीन अंसारी एवं निदेशक अशोक विश्वकर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये विद्यालय के निदेशक अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि पढ़ाई शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरूरी है। हमें नियमित रूप से खेल कूद में भाग लेना चाहिये। विद्यालय के संरक्षक डॉ यासीन अंसारी ने कहा कि खेलकूद के क्षेत्र में कैरियर की बहुत संभावनाएं हैं। बहुत सारे खिलाड़ी आज पैसा के साथ-साथ नाम भी कमा रहे हैं। ब्राइट फ्यूचर के बच्चे सभी क्षेत्र में अच्छे करते हैं। अपने बच्चों की प्रतिभा देखकर मुझे गर्व होता है। खेलकूद तीन वर्ग सब जूनियर ग्रुप, जूनियर ग्रुप और सीनियर ग्रुप में आयोजित किया गया। बालक और बालिका वर्ग के लिये अलग अलग प्रतियोगिता कराया गया। इसमें टॉफी रेस, बैलून रेस, कुर्सी रेस, 100 मी का रेस, 200 मी का रेस, 400 मी का रेस, बैक रेस, केरी लोड रेस, क्रोकोडाईल रेस, फ्रॉग रेस, जलेबी रेस, सुई धागा रेस, स्पून मार्बल रेस, म्यूजिकल चेयर रेस, मैथ रेस जैसे खेलकूद शामिल थे। शपथ के साथ खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुआ और पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। खेलकूद को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। इसमें विद्यालय के उप प्राचार्या सुनीता पटेल, मधुबाला पाठक, रामलाल यादव, राजीव श्रीवास्तव, मुस्कान परवीन, नाहिद सबा, पूनम शर्मा, रूपा गुप्ता, मुमताज आलम, अवधेश चंद्रवंशी, रोजी परवीन, सत्येंद्र पांडेय, बिंदु कुमारी, रोहित कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पंचायतों को किया कंबल आवंटित

श्री बंशीधर नगर : बीडीओ रौशन कुमार ने जिला से प्राप्त कंबल को पंचायत के लिये आवंटित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बीडीओ ने कुंबाखुर्द को 170, बिलासपुर को 130, हलिवंता कला को 160, पीपरडीह को 140, चितविश्राम को 180, नरही को 150, कुशडंड को 160, हुलहुला खुर्द को 130, गरबांध को 160, भोजपुर को 140, कधवन को 110 एवं कोलझिकी को 120 कंबल आवंटित किया है। उन्होंने सभी पंचायत सचिव को 24 घन्टे के भीतर प्रखंड कार्यालय से कंबल का उठाव कर सुयोग्य लाभुकों के बीच वितरित करने एवं रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

मुसहरों के बीच बांटा भोजन व कंबल

मेराल : कड़ाके की ठंढ को देखते हुये सीओ यशवंत नायक ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अंचल क्षेत्र में भ्रमण कर करीब दो दर्जन मुसहर परिवारों के बीच खाद्य सामग्री व कंबल का वितरण किया। इस संबंध में सीओ यशवंत नायक ने बताया कि कड़ाके की ठंढ को देखते हुये अहले सुबह अंचल मुख्यालय के साथ बाना, दुनूखाड़ गांव में जाकर ठंढ से ठिठुर रहे जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, खाद्य सामग्री चावल, दाल, आलू सहित अन्य राशन सामग्री का वितरण किया। उन्होंने बताया कि अपने निजी मद से मुसहर परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया। आगे भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा। उस मौके पर अंचल के प्रधान सहायक मुरारी मिश्रा, रियासत अली, चालक सुरकेश आदि मौजूद थे।

50 गरीबों के बीच बांटा कंबल

भवनाथपुर : भवनाथपुर स्थित सर्वेश्वरी समूह आश्रम की ओर से गुरुवार को 50 गरीब असहाय, वृद्ध व दिव्यांगों को कड़ाके की ठंढ से बचने के लिये कंबल प्रदान किया गया। कंबल का वितरण भवनाथपुर के पूर्व मुखिया महेंद्र प्रसाद सिंह व गिरिवर सिंह ने संयुक्त रूप से बाबा अघोरेश्वर महाप्रभु एवं गुरूपद संभव राम जी की तस्वीर पर मल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर महेंद्र प्रसाद सिंह ने समूह द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सर्वेश्वरी समूह जनहित में कार्यक्रम चलाकर अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है। आश्रम को हमेशा स्वच्छ व सज्जा धजा देखकर लोगों का मन प्रसन्न हो जाता है। यहां के लोगों को स्वच्छता की प्रेरणा सर्वेश्वरी समूह से लेनी चाहिये। शाखा के उपाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सर्वेश्वरी समूह जनहित में हमेशा कार्य करता है। समूह असहायों के बीच हमेशा से कार्य किया है। इसके अंतर्गत कुष्ठ रोगियों की सेवा, उपचार इसके अतिरिक्त समाजिक कुरितियों, छुआछुत, नशाखोरी, दहेज प्रथा, जातपात के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित करते रहती है। सर्वेश्वरी समूह का मुख्य उदेश्य मानवता की सेवा करना है। मौके पर आश्रम के धीरेंद्र कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, बुचूल राम, अरुण चौधरी, बसंत राम, बीरेंद्र सिंह, पपन सिंह, देवेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चेकिंग अभियान में 13 दोपहिया जब्त

मेदिनीनगर : यातायात पुलिस की ओर से स्थानीय छहमुहान पर चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान 13 दोपहिया समेत मोडिफाईड साईलेंसर बुलेट जिससे फट फट की तेज आवाज आ रही थी पकड़ा गया। यातायात प्रभारी समाल अहमद ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान चारपहिया व दोपहिया वाहनों की जांच की गई। अधिकांश दोपहिया वाहन चालक बगैर हेलमेट और बिना लाईसेंस के गाड़ी चलाते पाये गये। वहीं 01 बुलेट बाईक गाड़ी जिसके मोडिफाईड साइलेंसर से फट-फट की तेज आवाज आ रही थी उसे भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को जब्त दोपहिया वाहन बाईक का चालान 31 हजार 150 रुपया वहीं शराब पीकर दोपहिया बाईक चला रहे एक व्यक्ति का चालान 11 हजार रुपया आया है। उन्होंने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चला रहे एक बोलेरो चालक का चालान 10 हजार रूपया एवं शराब पीकर ई रिक्शा चला रहे चालक का चालान 10 हजार रुपया वसूला गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कुल 65 हजार 150 रुपया जुमार्ना वसूला गया है।

विस्थापित संघर्ष समिति का धरना चौथे दिन भी जारी, आज से धरने पर बैठेंगे दीपक बच्चा

बंशीधर न्यूज

भवनाथपुर : भवनाथपुर के टाउनशिप में स्थापित एशिया के सबसे बड़े क्रशिंग प्लांट की नीलामी के पश्चात कटिंग के विरोध में विस्थापित संघर्ष समिति का आरएमडी सेल के प्रशासनिक भवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा। धरने का नेतृत्व कर रहे विस्थापित संघर्ष समिति के संरक्षक सह इंटक त्रिपाठी गुट के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार चौबे ने कहा जब तक सेल प्रबंधन क्रशिंग प्लांट की नीलामी को रद्द नहीं करता है तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन बंद पड़े तुलसीदामर डोलोमाइट खदान को चालू करा कर बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराए। अरबों रुपए की लागत से स्थापित क्रशिंग प्लांट को सेल के बोकारो से लेकर भवनाथपुर के अधिकारी व संवेदक की मिली भगत से 2.80 करोड़ रुपए में ही नीलाम कर दिया, जिसे हम विस्थापित परिवार बर्दाश्त नहीं करेंगे। उधर बुधवार की रात झामुमो नेता दीपक प्रताप देव अपने समर्थकों के साथ धरना पर बैठे समिति के सदस्यों से मिलकर अपना समर्थन दिया व शुक्रवार से अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठने का एलान किया। दीपक प्रताप देव ने क्रशिंग प्लांट की नीलामी में पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व विधायक दस करोड़ रुपए लेकर प्लांट कटवाने का काम कर रहे हैं। सेल प्रबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि सेल प्रबंधन ने विस्थापित परिवार को ठगने का काम किया है। जिनकी जमीन ली उनमें से बहुत लोग को नौकरी नहीं दिया है। तुलसीदामर डोलोमाइट खदान में काम करने वाले मजदूरों का भी मजदूरी में भी हेरफेर किया है। उन्होंने कहा कि कहा प्लांट से लोहे का एक भी टुकड़ा मेरी लाश पर से होकर बाहर जाएगा। उस अवसर पर समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र साह, दीपक जायसवाल, अख्तर अंसारी, धर्मेंद्र गुप्ता, ददुली साह, शनिचर अगरिया, भरत साह, रामपति देवी, चिन्ता देवी, योगेन्द्र राम, मुन्ना उरांव, अमरेन्द्र साह, राजकुमार साह, संतोष दूबे, मोहन साह समेत बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट्स

आधा दर्जन बाईक जब्त

भंडरिया : पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाकर आधा दर्जन बाईक को जब्त कर लिया। इसकी जानकारी देते हुये भंडरिया थाना के एसआई रंजीत चौधरी ने बताया कि गढ़वा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुरुवार को भंडरिया वन डीपो के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस चेकिंग अभियान में दो पहिया, चार पहिया सहित अन्य वाहनों के कागजात, ड्राईविंग लाईसेंस, हेलमेट आदि की जांच की गई। इनमें कई लोगों की कागजात नहीं रहने के कारण उनके वाहन को जब्त कर लिया गया है। मौके पर एसआई ने कहा सड़कों पर चलने वाले वाहन चालक सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें। बाईक चलाने वाले हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें। साथ ही आवश्यक कागजात लेकर चलें। उन्होंने कहा कि लापरवाही से चलने पर लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। मौके पर एएसआई उमाशंकर कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

वाराणसी इलाज कराने गया युवक लापता

हुसैनाबाद : हैदरनगर थाना क्षेत्र के बिन्दु बिगहा गांव निवासी ब्रजेश कुमार सिंह का 25 वर्षीय पुत्र उत्कर्ष कुमार सिंह के वाराणसी से वापस नहीं आने से परिजनों में कोहराम मचा है। ब्रजेश ने बताया कि उनका पुत्र वाराणसी इलाज कराने के लिये 26 सितंबर को ही घर से निकला था। अब तक वह घर वापस नहीं लौटा। उससे संपर्क भी नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि काफी खोजबीन की गई। उसका मोबाईल फोन भी बंद है। हालांकि परिजनों ने सभी रिश्तेदारों व युवक के मित्रों से भी पता किया। मगर कोई सुराग नहीं मिल सका है। उन्होंने हैदरनगर थाना में गुरुवार को आवेदन देकर पुत्र की तलाश में पुलिस से मदद की मांग की है।

अपराध

पुलिस ने दो बड़े लूटकांड का किया उद्भेदन

नौ अपराधी गिरफ्तार

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : गढ़वा पुलिस ने गुरुवार को दो लूटकांड का उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से लूट का ट्रेलर व इंजन, कांड में प्रयुक्त दो कार एवं कांड में अभियुक्तों के द्वारा प्रयुक्त किये गये आठ मोबाईल बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों में रमना थाना क्षेत्र के टंडवा गांव निवासी मुजीब अंसारी का पुत्र तैकीर आलम, सीरिया टोगर निवासी शमसुद्दीन अंसारी का पुत्र निसार अंसारी उर्फ छोटू, महबूब अंसारी का पुत्र इमाम अंसारी, परसवान गांव निवासी स्व फिरोज अंसारी का पुत्र फिरदौस अंसारी, विशुनपुरा थाना क्षेत्र के पतिहारी गांव निवासी शमशेर आलम का पुत्र अल्ताफ अंसारी, पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के लोकया गांव निवासी राम क्रेस चौरसिया का पुत्र शत्रुघ्न चौरसिया, बिहार के गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के शेरघाटी महुआमा गांव निवासी स्व मोहन यादव का पुत्र पंकज

कुमार यादव एवं बेलदार बिगहा गांव निवासी हलखोरी यादव का पुत्र बुटू यादव के नाम शामिल हैं। इसकी जानकारी एसपी दीपक कुमार पांडेय ने गढ़वा थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी। एसपी श्री पांडेय ने बताया कि गत 20 व 21 दिसंबर की रात्रि 7 से 8 अपराधियों ने एक 18 चक्का ट्रेलर गाड़ी (बीआर 06 जीजी 2577) को गढ़वा थाना क्षेत्र के रंका रोड स्थित ओबरा के पास अशोक लीलैंड इंजन सफेद बलेनो कार के द्वारा ओवरटेक कर लूट लिया गया था। उस कांड को गढ़वा थाना में कांड संख्या 689/24 के तहत दर्ज किया गया था। एसपी ने बताया कि इस घटना की संवेदनशीलता को देखते हुये उनके दिशा निर्देश में एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये उसी रात घटना के लूटे गये इंजन एवं टाली को रंका क्षेत्र अंतर्गत जेपीएस लाईन होटल लरकोरिया स्थित इम्तियाज होटल के समीप से बरामद कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि छापामारी टीम के द्वारा घटना में संलिप्त सभी 9 अपराधियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके निशानदेही पर लूट में प्रयुक्त बलेनो कार तथा अशोक लीलैंड कंपनी का इंजन को भी बरामद कर लिया गया है। इन अभियुक्तो के द्वारा ही 26 व 27 अगस्त की रात्रि में गढ़वा-रेहला मार्ग पर बेलचंपा के पास लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। इस संबंध में भी गढ़वा थाना संख्या 451/24 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कांड में स्विफ्ट डिजायर कार को बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि लूटे गये टाली को बरामद करने के लिये एक टीम राज्य से बाहर भेजा गया है। एसपी ने बताया कि अपराधियों के द्वारा लूटे गये टाली को चांडिल के पास एक गेराज में पेंट कर दिया गया था। ताकि उसकी पहचान न हो सके। उन्होंने बताया की लूटी गई टाली की कीमत लगभग 16 से 17 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि लूट की टाली को अपराधियों के द्वारा पांच लाख रुपए में बेचा गया था। एसपी ने बताया कि लूटी हुई टाली को अपने साथ लाये इंजन में जोड़कर ले जाता था वह इंजन शेरघाटी का बिट्टू यादव का है। उन्होंने बताया कि दो लूट की घटना में एक टाली को उक्त लोगों के द्वारा बेचा गया है। उसका पैसा का भुगतान किसके द्वारा किया गया है इसकी जांच पुलिस कर रही है। उन्होंने बताया कि अनराज घाटी के पास इंजन से टाली खोलने का प्रयास किया था, लेकिन टाली इंजन से उतरकर नीचे गिर गया इसके कारण इन लोगों से दोबारा उठ नहीं पाया। उन्होंने बताया कि तैफीर आलम पेशा से चालक था इसलिये इसकी जानकारी उसके पास था। उन्होंने बताया कि अपराधियों के द्वारा सिर्फ टाली को लूट किया जाता था। उसका इंजन को छोड़ दिया जाता था टाली में कोई नंबर नहीं होती है। इससे उसकी पहचान करना असंभव हो जाती है। छापामारी दल में एसडीपीओ नीरज कुमार के अलावे प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक चिरंजीवी मंडल, गढ़वा थाना प्रभारी बृज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, सुभाष कुमार पासवान, अशफाक आलम, जनार्दन रावत, अमित खन्ना, रंका थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी, मेराल थाना प्रभारी विष्णु कांत, रमना थाना प्रभारी आकाश कुमार आदि लोग शामिल थे।

सीएम हेमंत से मिले अनंत, सेल की परिसंपति हटाने पर रोक की मांग

श्री बंशीधर नगर : विधायक अनंत प्रताप देव ने गुरुवार को रांची में सीएम हेमंत सोरेन से मिलकर भवनाथपुर के टाउनशिप में स्थित सेल की परिसंपति हटाने पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने सीएम श्री सोरेन जिनके पास उद्योग विभाग भी है उन्हें अवगत कराया कि भवनाथपुर के टाउनशीप में स्थित सेल का क्रशिंग प्लांट वर्तमान में बंद पड़ा है। जिसमें काम करने वाले कई मजदूरों की मजदूरी तथा संवेदकों का राशि बकाया है। स्थानीय लोगों एवं विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई है कि लगभग पांच दशक पूर्व स्थापित सेल के इस प्लांट को हटाए जाने के लिए उसे नीलाम किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने सीएम से जनहित में उक्त क्रशिंग प्लॉट तथा सेल की परिसंपति को हटाए जाने पर अविलंब रोक लगाने के लिए संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया। उस मौके पर झामुमो नेता ताहिर अंसारी भी मौजूद थे।

आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश

श्री बंशीधर नगर : बीडीओ रौशन कुमार एवं सीओ विकास कुमार सिंह ने गुरुवार को अंचल कार्यालय के सभागार में सभी डीलरों के साथ बैठक की। बैठक में पदाधिकारियों ने सभी डीलरों को अपने-अपने क्षेत्र के राशनकार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। बैठक में बीडीओ ने सभी डीलरों को अपने-अपने क्षेत्र के राशनकार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिये प्रेरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में 23 दिसंबर से 13 जनवरी तक कैंप आयोजित है। ऐसे में सभी डीलर गंभीरता के साथ अधिक से अधिक लोगों का नाम आयुष्मान कार्ड में दर्ज कराने का काम करें। सीओ ने पीडीएस की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी डीलरों को राशन गोदाम से ससमय खाद्यान्न का उठाव कर लाभकों के बीच वितरित करने का निर्देश दिया। बैठक में डीलरों ने भी सीओ को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। बैठक में प्रभारी गोदाम प्रबंधक प्रशांत कुमार, डीलर रवींद्र प्रताप देव, दीनदयाल शुक्ला, मुन्नु कुमार, संजय पासवान, कृपा कुजूर, उर्मिला देवी, लालती देवी, हरिहर राम, कमेश राम, अमित कुमार, सुरेन्द्र राम, सुनील राम, उमाशंकर चौबे, ओमप्रकाश तिवारी, रामजी समेत सभी डीलर मौजूद थे।

लोहे का एक टुकड़ा भी बाहर जायेगा तो मेरी लाश पर जायेगा : दीपक

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : भोजपुर गढ़ के प्रमुख सह झामुमो नेता दीपक प्रताप देव ने भवनाथपुर में आंदोलनरत विस्थापितों व मजदूरों के साथ खड़े होने व उनकी लड़ाई में साथ देने का एलान किया है। उन्होंने कहा जब तक मजदूरों का बकाया भुगतान व विस्थापितों को मुआवजा नहीं मिल जाता है तब तक किसी भी कीमत पर क्रशर प्लांट को कटने नहीं देंगे। वे गुरुवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे

थे। उन्होंने कहा कि इसे लेकर शुक्रवार को वे सेल ऑफिस जाकर क्रशर प्लांट की कटाई का काम रुकवा देंगे। श्री देव ने कहा कि सेल प्रबंधन मजदूरों के साथ नाइंसाफी कर रहा है। हमलोग मजदूरों एवं विस्थापितों के साथ हो रहे शोषण के खिलाफ हैं। मजदूरों और विस्थापितों के साथ मिलकर इस लड़ाई को लड़ेंगे और क्रशर कटिंग करने वालों को खदेड़कर दम लेंगे। उन्होंने पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही पर हमला बोलते हुये कहा कि भानू प्रताप ने विधायक रहते हुये दस करोड़ रुपये में क्रशर प्लांट का सौदा किया है। दस करोड़ रुपये लेकर क्रशर प्लांट का टेंडर कर के कटिंग शुरू कराया गया है। श्री देव ने कहा कि अब क्रशर प्लांट किसी सूरत में नहीं कटेगा। यहां से क्रशर प्लांट किसी भी हालत में नहीं जायेगा। बकौल दीपक प्रताप यदि क्रशर प्लांट से लोहे का एक टुकड़ा भी बाहर जायेगा तो मेरी लाश पर जायेगा। उन्होंने कहा कि यहां के मजदूरों को मजदूरी मिले और यहां पर जो विस्थापित परिवार हैं जिनको जमीन का मुआवजा नहीं मिला है, उनकी जमीन वापस हो। श्री देव ने कहा कि विधायक अनंत प्रताप देव मजदूरों एवं विस्थापितों के साथ हैं। इसे लेकर वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज मिले हैं। सकारात्मक जवाब मिला है। उन्होंने कहा कि जल्द ही समाधान हो जायेगा। उस मौके पर संतोष कुमार दूबे, मनोज कुमार गुप्ता, दीपू कुमार गुप्ता, बसंत यादव, आशीष यादव, मेवा गुप्ता, बिकु कुमार मौजूद थे।

मनाया गया वीर बलिदान दिवस

श्री बंशीधर नगर : सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को वीर बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रविकांत पाठक एवं आचार्य रूपेश कुमार ने संयुक्त रूप से भारत माता, ॐ, मां शारदा एवं फतेह सिंह जोरावर सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने वंदना सभा में भैया, बहनों एवं आचार्यों को संबोधित करते हुये कहा कि वीर बाल दिवस दसवें गुरु गोविंद सिंह एवं माता गुजरी देवी के आंखों के तारे फतेह सिंह व जोरावर सिंह के बलिदान का आज स्मृति दिवस है। उन्होंने कहा कि इन दोनों बालकों द्वारा मुगलों के सामने धर्म परिवर्तन के लिये अपने घुटने नहीं टेकने पर इन्हें दीवाल में चुनवा दिया गया। आचार्य रूपेश कुमार ने कहा कि प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 26 दिसंबर 2022 को यह दिन वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के लिये घोषित किया गया। वे दोंनो मृत्यु को गले लगाना स्वीकार किये परन्तु धर्म परिवर्तन नहीं। इन वीर बालकों से हमें सीखने की जरूरत है। हम सभी साहसी व वीर बने। कार्यक्रम में कौशलेंद्र झा, कृष्ण कुमार पाण्डेय, सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव, सत्येंद्र प्रजापति, अविनाश कुमार, नीरज कुमार सिंह, प्रसून कुमार, सुजीत कुमार दुबे, रूपेश कुमार, अशोक कुमार, अंकित जैन, प्रदीप कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार, कृष्ण मुरारी, उमेश कुमार, नीति कुमारी, नेहा कुमारी द्वय, तन्वी जोशी और सभी भैया-बहन उपस्थित थे।

बीपीओ को हटाने की मांग

केतार : प्रमुख चंद्रवाती देवी ने उप विकास आयुक्त गढ़वा से मनरेगा योजना में घोर अनियमितता बरतने पर बीपीओ नीरज कुमार पाल को तत्काल केतार ब्लॉक से हटाकर नये बीपीओ को पदस्थापित करने की मांग की है। प्रमुख ने आवेदन में जिक्र किया है कि पदाधिकारियों की मिली भगत से मनरेगा योजना में नियम कानून को ताख पर रखकर बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। इसकी शिकायत लगभग 15 दिन पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी से किया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिया निर्माण के बेस में नहीं है ढलाई का प्रवधान : ईई, ग्रामीणों में रोष

ग्रामीणों ने रोका सड़क व पुलिया निर्माण कार्य

बलराम शर्मा

मेराल : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण के कार्य में भारी अनियमितता का आरोप लगाते हुये ग्रामीणों ने कार्य को रोक दिया है। कार्य में अनियमितता तथा संवेदक के कर्मचारियों के उदंड व्यवहार तथा कार्य स्थल पर कोई विभागीय इंजीनियर के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुये कार्य को रोक दिया है। बताते चलें कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत पेसका ऑफिस से बगेसर स्कूल तक पथ निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसमें अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने विरोध करते हुये सड़क

निर्माण कार्य में पुलिया के निर्माण कार्य को चार दिनों से बंद किया है। जबकि संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, जेई अभी तक कार्य के प्रति सुध नहीं लिये हैं और मौन साधे हुये हैं। पेंदली गांव के दर्जनों ग्रामीण के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र पेंदली के पास बन रहे नाला पर पुलिया निर्माण कार्य में डायवर्सन नहीं होने से 4 माह से लोग काफी कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक द्वारा चार माह पूर्व पुल निर्माण के लिये मेन रोड में गढ़ा खोदा गया था जिससे आवागमन बाधित है। वैकल्पिक डायवर्सन अभी तक नहीं बनाया गया है, जिसके चलते स्कूल जाने वाले बच्चों तथा अस्पताल जाने वाली गर्भवती महिलाओं को 5 किलोमीटर घुमकर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है की पुलिया निर्माण के बेस में बगैर ढलाई किये बोल्डर से एक तरफ के दीवार का जोड़ाई कर दिया गया है। पुलिया निर्माण कार्य में घटिया सीमेंट, मिट्टी युक्त बालू, घटिया किस्म के बोल्डर लगाया जा रहा है। जिसके चलते पुलिया टिकाऊ नहीं होगा। जेई से शिकायत करने पर कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ जिससे ग्रामीण आक्रोशित होकर चार दिनों से निर्माण कार्य को बंद कर दिये हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पीसीसी पथ का भी संवेदक के द्वारा निर्माण कार्य किया गया है वह भी पूरी तरह घटिया सामग्री का भेंट चढ़ गया है। खराब सड़क बनाने के कारण ढलाई किया गया पीसीसी पथ से सीमेंट डस्ट के रूप में उड़ रहा है। जिसके ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय मजदूर को रोजगार न देकर बाहरी मजदूरों को लाकर उन्हें मिलाकर घटिया कार्य कराया जा रहा है। विरोध करने वालों में मुखिया प्रतिनिधि जगजीवन राम, रामजन्म पाल, रवींद्र रवि, संतोष चंद्रवंशी, सफीक अंसारी, मुतुर्जा अंसारी, श्यामसुंदर पाल, संदीप पाल, असलम अंसारी, रामप्रवेश रवि, छोटन रवि, सत्येंद्र पाल, प्रमोद चंद्रवंशी, उमेश चंद्रवंशी, खखनू पाल सहित काफी संख्या में लोग विरोध जाता रहे थे।

क्या कहते हैं ईई

इस संबंध में कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार से पूछे जाने पर बताया कि पुलिया किस जगह बन रहा है मुझे इसकी जानकारी नहीं है और बन रहा है तो नीचे आरसीसी या पीसीसी का प्रावधान नहीं है, फिर भी हम प्राक्कलन दिखवाते हैं। इसमें डायवर्सन का कोई प्रावधान नहीं है।

मुर्मु, मोदी सहित सभी नेताओं ने जताया शोक

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया।

श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में भी समान सहजता से काम किया। सार्वजनिक कार्यालयों में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन और उनकी अत्यंत विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका निधन हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है।' मैं भारत के सबसे महान सपूतों में से एक को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। धनखड़ ने शोक संदेश में कहा कि डॉक्टर सिंह एक विशिष्ट अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने देश का आर्थिक परिदृश्य बदल दिया। पद विभूषण से सम्मानित और भारत के आर्थिक उदारवाद के रचयिता डॉक्टर सिंह ने बहुत महत्वपूर्ण समय में देश का आर्थिक मोर्चे संभाला और आर्थिक वृद्धि तथा विकास के नए आयाम खोले। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में लिखा, भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक मना रहा है। साधारण परिवार से उठकर वह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी। संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। बिरला ने एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन अत्यंत दुःखद है। प्रख्यात अर्थशास्त्री और प्रबुद्ध राजनेता होने के साथ ही अपने सौम्य और सरल व्यवहार की खातिर वह सदैव स्मृतियों में रहेंगे। एक कुशल प्रशासक, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दशकों तक राष्ट्र की सेवा की। पीड़ा की इस घड़ी में मेरी संवेदनायें डॉ. सिंह के परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें, तथा शोक संतप्त परिजनों और देशवासियों को संबल दें।ॐ शांति। शाह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर अपने शोक संदेश में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की सूचना अत्यंत दुःखद है। भारतीय रिजर्व बैंक में गवर्नर से लेकर देश के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह जी ने देश की शासन व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों व समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ। वाहेगुरु जी उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। नड्डा ने अपने एक संदेश में कहा कि प्रख्यात अर्थशास्त्री और पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर सिंह का निधन राष्ट्र के लिए बहुत भारी क्षति है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सिंह भारतीय राजनीति के दिग्गज राजनेता थे। अपने लंबे सामाजिक जीवन में उन्होंने आम जनजीवन के लिए काम किया। वह समाज के निचले वर्ग की आवाज रहे। उनके नेतृत्व में उन्हें पार्टी से अपार लोकप्रियता दिलाई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आज कहा कि 1991 का मील का पत्थर बजट पेश कर भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने वाले डॉ सिंह सभी के द्वारा सम्मानित, वे मृदुभाषी और सौम्य थे। सीतारमण ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ सिंह ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर और भारत के वित्त मंत्री के रूप में अपनी सेवा दीं थी। डॉ. सिंह ने 1991 का मील का पत्थर बजट पेश कर भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाया था।

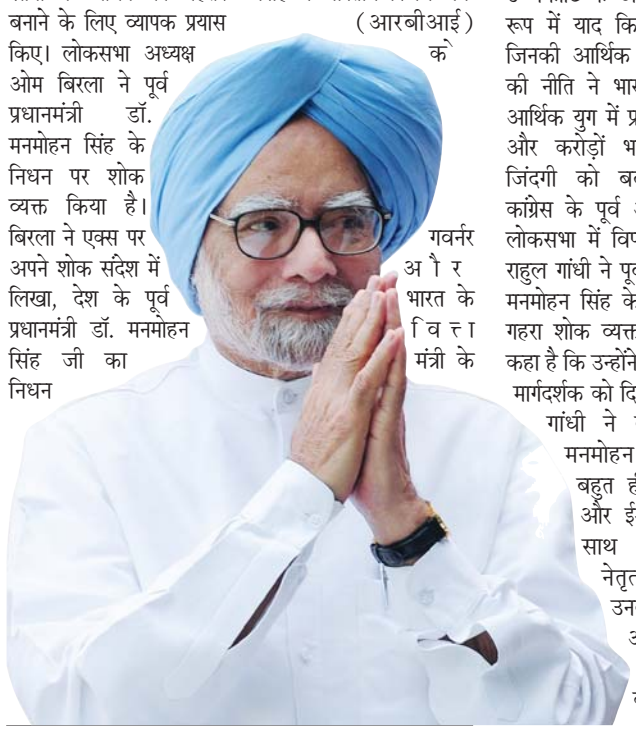

बाजारोन्मुख आर्थिक सुधारों के लिए याद किये जायेंगे मनमोहन

नयी दिल्ली। अविभाजित भारत में एक सामन्य परिवार से निकल देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह देश की आर्थिक नीति के उदारीकरण के लिए हमेशा याद किये जायेंगे।

डॉ. सिंह ने अपनी लम्बे करियर में देश के विभिन्न शीर्ष पदों पर सेवाएं दीं, जिनमें अध्यापन से लेकर वित्त मंत्रालय में सचिव, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर जैसे महत्वपूर्ण पद भी शामिल हैं। उन्नीस सौ नब्बे के दशक के प्रारम्भ में प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव के वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने अपनी सेवाएं दी थी और भारत को आर्थिक उदारीकरण की राह पर लाने और आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभायी थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में सूचना के अधिकार और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) और खाद्य सुरक्षा कानून जैसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किये। डॉ. सिंह ने विभिन्न विचारों वाले दलों की गठबंधन वाली सरकार का दो बार नेतृत्व किया और वे अपने मृदुल स्वभाव और व्यक्तिगत ईमानदारी की बदौलत पक्ष और विपक्ष सबके चहेते बने रहे।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर,1932 को हुआ था। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद डॉ. सिंह का परिवार भारत चला आया। यहाँ पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। उसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना वाली पुस्तक मानी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। डॉ. सिंह को 21 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पी. वी. नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मन्त्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों के लिए भी श्रेय दिया जाता हैं।

वर्ष 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वह योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में साठा महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ. सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया है। वर्ष 1985 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शासन काल में डॉ. सिंह को भारतीय योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने निरन्तर पाँच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में उन्हें प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाया गया। जब श्री पी. वी. नरसिंहराव प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने डॉ. सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में सम्मिलित करते हुए वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंप दिया। इस समय डॉ. सिंह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा के लिए चुना गया। वर्ष 1998 से 2004 में वह राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। डॉ. सिंह देश के 13वें प्रधानमन्त्री के साथ ही साथ वह एक अर्थशास्त्री भी थे। लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद वह जवाहरलाल नेहरू के बाद देश के पहले ऐसे प्रधानमन्त्री बने, जिनको पाँच वर्षों का कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। डॉ. सिंह ने पहली बार 72 वर्ष की आयु में 22 मई 2004 से प्रधानमंत्री का कार्यकाल आरम्भ किया, जो अप्रैल 2009 में सफलता के साथ पूर्ण हुआ। इसके पश्चात लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) पुनः विजयी हुआ और डॉ. सिंह दोबारा प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री सिंह की दो बार बाईपास सर्जरी हुई है। दूसरी बार फरवरी 2009 में विशेषज्ञ शल्य चिकित्सकों की टीम ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इनकी शल्य-चिकित्सा की। पूर्व प्रधानमंत्री सिंह ने वित्तमंत्री के रूप में पी. चिदम्बरम को अर्थव्यवस्था का दायित्व सौंपा था, जिसे उन्होंने कुशलता के साथ निभाया, लेकिन 2009 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत में भी देखने को मिला।

डेट ट्रैप में फंसे भारत की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में निभाई मुख्य भूमिका

नई दिल्ली। भारत में जब भी उदारीकरण की शुरूआत और लाइसेंस राज के खात्मे की बात की जाएगी तो इसकी शुरूआत डॉ मनमोहन सिंह के नाम के साथ ही होगी। डॉ मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री और देश का वित्त मंत्री रहने के पहले विदेश व्यापार विभाग में आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय के सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के डायरेक्टर और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रह चुके थे। अर्थशास्त्री से राजनेता बने डॉ मनमोहन सिंह को भारत में आर्थिक सुधारों और उदारीकरण का जनक माना जाता है। पीवी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्रालय संभालने वाले डॉक्टर मनमोहन सिंह ने देश की इकोनॉमी को एक नई दिशा दी थी, जिससे खस्ताहाल हो चुकी देश की अर्थव्यवस्था दोबारा पटरी पर लौट सकी थी। आजादी के बाद से ही जारी लाइसेंस राज और क्लोज डोर इकोनॉमी के कारण 90 के दशक की शुरूआत में देश का खजाना लगभग खाली हो गया था। विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि भारत कर्ज के फंदे में फंसता जा रहा था। विदेशी कर्जों की किस्तों का भुगतान करने के लिए भी भारत के सामने नए कर्ज लेने की मजबूरी बन गई थी। विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ 06 अरब डॉलर की राशि बची थी, जिससे एक महीने तक भी आयत नहीं किया जा सकता था। खाड़ी युद्ध के कारण मिडिल ईस्ट में काम करने वाले भारतीय नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली धनराशि में भी कमी आ गई थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में डॉक्टर मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की कोशिश की। इस काम में उन्हें तब के प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की ओर से पूरा समर्थन मिला। प्रधानमंत्री का साथ मिलने पर वित्त मंत्री के रूप में डॉ मनमोहन सिंह ने जो किया, उससे न केवल देश की इकोनॉमी सुदृढ़ हुई, बल्कि उसे एक नई दिशा भी मिली। उन्होंने विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने के लिए तात्कालिक उपाय करते हुए भारत के स्वर्ण भंडार के एक हिस्से को गिरवी रखवा दिया। इसी तरह दो चरणों में रुपये का 20 प्रतिशत अवमूल्यन किया। ऐसा होने से भारतीय निर्यात को प्रतिस्पर्धी बना पाना संभव हो सका, जिससे विदेशी मुद्रा की आवक बढ़ने लगी। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने जो सबसे बड़ा काम किया, वो था औद्योगिक नीति का उदारीकरण और देश की व्यापार नीति में बदलाव। आयात निर्भरता कम करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मनमोहन सिंह ने लाइसेंस राज की जटिलताओं को काम करने का काम किया। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में सरकारी कंपनियों के एकाधिकार को कम करने के लिए नीतिगत बदलाव करने का फैसला किया। इसके तहत विदेशी निवेश की सीमा बढ़कर 51 प्रतिशत तक कर दी गई। इसी तरह टैक्स सुधारों और सब्सिडी में कटौती के जरिए डॉ मनमोहन सिंह ने राजकोषीय घाटा कम करने की भी कोशिश की। आर्थिक उदारीकरण की अपनी कोशिश को आगे बढ़ाते हुए डॉ मनमोहन सिंह ने 1991 के आम बजट में कई ऐसे प्रावधानों को शामिल किया, जिससे देश की इकोनॉमी को नई दिशा मिलने लगी। इसी बजट में टीडीएस (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) की शुरूआत की गई और कॉरपोरेट टैक्स को बढ़ाया गया। इसी तरह मनमोहन सिंह के इसी बजट में प्राइवेट सेक्टर को म्युचुअल फंड में भागीदारी करने की इजाजत दी गई। 1991 में जब डॉक्टर मनमोहन सिंह ने आर्थिक सुधार के लिए ये कदम उठाए, तब इसको लेकर कई तरह के सवाल भी उठाए गए, लेकिन मनमोहन सिंह की इन नीतियों की वजह से देश उदारीकरण की राह पर चल पड़ा जिससे आर्थिक प्रगति के दरवाजे खुलते चले गए और उनकी बनाई नीतियों के कारण भारत को ग्लोबल मार्केट में अपनी जगह बनाने का अवसर मिला।

डॉ. मनमोहन सिंह : एक अनूठा गौरव

नयी दिल्ली। डॉ. मनमोहन सिंह को भारत में 01 रुपये से 100 रुपये तक के करेंसी नोटों पर हस्ताक्षर करने वाली एकमात्र हस्ती होने का अनूठा गौरव प्राप्त है। देश में 01 रुपये के नोट पर वित्त सचिव और 02 रुपये और उससे ऊपर के नोट पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं। डॉक्टर सिंह ने दोनों पदों पर कार्य किया था।

कांग्रेस के अध्यक्ष खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, एक बेदाग निष्ठावान नेता और एक अद्वितीय कद के अर्थशास्त्री को खो दिया है, जिनकी नीतियों और विचारधारा ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। डॉ. मनमोहन सिंह को एक ईमानदार और उच्चकोटि के अर्थशास्त्री के रूप में याद किया जाएगा, जिनकी आर्थिक उदारीकरण की नीति ने भारत को नए आर्थिक युग में प्रवेश कराया और करोड़ों भारतीयों की जिंदगी को बदल दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने अपना एक मार्गदर्शक को दिया है।

गांधी ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ने बहुत ही बुद्धिमत्ता और ईमानदारी के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह जैसे राजनेता बहुत कम हुए हैं, जिन्हें राजनीति में अत्यधिक सम्मान मिला है। वाड्रा ने शोक संदेश में कहा, राजनीति में बहुत कम लोग सरदार मनमोहन सिंह जी जैसा सम्मान पाते हैं। उनकी ईमानदारी हमेशा हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेगी और वे हमेशा उन लोगों के बीच खड़े रहेंगे, जो इस देश से सच्चा प्यार करते हैं, क्योंकि वे अपने विरोधियों द्वारा अनुचित और गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहे। बीजू जनता दल के नेता एवं ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। पटनायक ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ। पटनायक ने एक्स पर शोक संदेश में कहा कि सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की शानदार सेवा की है। विद्वान और विनम्र नेता को आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने नए भारत को नींव प्रदान की और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। मेरे मन और प्रार्थनाएँ उनके शोक-संतप्त परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के साथ हैं। ॐ शांति। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। लालदुहोमा ने डॉ. सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के विकास और शासन में उनके अद्वितीय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने डॉक्टर सिंह केपरिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के आकस्मिक निधन से अत्यंत स्तब्ध और दुखी हूँ। मैंने उनके साथ काम किया था और उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में बहुत करीब से देखा था। उनकी विद्वता और बुद्धिमत्ता निर्विवाद थी, और देश में उनके द्वारा शुरू किए गए वित्तीय सुधारों की गहराई को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। बनर्जी ने कहा है, देश को मनमोहन सिंह के नेतृत्व की कमी खलेगी और मुझे उनके स्नेह की..। उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उद्योग जगत के जाने माने उद्योगपति और अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। अडानी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, इतिहास 1991 के आर्थिक सुधारों में डॉ. मनमोहन सिंह की महती भूमिका के लिए उन्हें हमेशा सम्मान देगा। उनके सुधारवादी कदमों से भारत को एक नया रूप मिला और देश ने दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोलें।

प्रभात टुडे नेटवर्क के लिए राधेरमण चौबे द्वारा गुलाब मेमोरियल मार्केट श्री बंशीधर नगर गढ़वा झारखंड से प्रकाशित, प्रधान संपादक–धीरेन्द्र चौबे, संपादक–धर्मेन्द्र कुमार चौबे* फोन : 9471737671, web-www.banshidharnews.com-Email-prabhatodaynetwork@gmail.com, *समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार (सभी वादों का निपटारा नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय के अधीन होगा)